दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–01)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–**GSM (P-III)-2301**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SACHIN GURJAR **Mobile Number:** [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** _____

Center & Date: DELHI, 20 June 2023 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0806091

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3.5	11.	
2.	3.5	12.	6
3.	4	13.	5.5
4.	4	14.	7
5.	3.5	15.	4
6.	3.5	16.	5
7.	2.5	17.	6
8.	4	18.	6.5
9.	3.5	19.	
10.	4	20.	
Grand Total (सकल योग)			76

E11170

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

1. सभी प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।
2. भूमिका को टू द प्वाइंट व प्रभावी बनाएं।
3. प्रश्न की मांग अनुसार प्रत्येक आधार पर 'टू द प्वाइंट' लेखन करें।
4. निष्कर्ष को प्रासंगिक व प्रभावी बनाएं
5. फ्लोचार्ट व डायग्राम का प्रयोग करें
6. अच्छा प्रयास है लेखन जारी करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. हड़प्पा सभ्यता का नगरीय स्वरूप क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक कारकों के क्रमिक विकास का परिणाम था। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The urban character of the Harappan civilization was a result of the gradual evolution of regional social-economic factors. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय सभ्यताओं के नगरीय स्वरूपों में सर्वाधिक उत्कृष्ट नगरीय स्वरूप हड़प्पा सभ्यता का माना जाता है। लगभग 5000 वर्ष पूर्व उपस्थित एवं विकसित इस सभ्यता के नगर नियोजन में कुछ बेहतरीन विशेषताएँ थीं जो निम्न हैं –

1.) सड़कें एक-दूसरे को लगभग समकोण पर काटती थीं।

2.) घरों के दरवाजे व खिड़कियाँ मुख्य सड़क पर न खुलकर अंदर गली में खुलते थे।

3.) नालियाँ ढँकी हुई थीं एवं शहर के बाहर किसी खुले स्थान पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खुलती थी।
4.) शहर ऊँचे टीले पर बसे हुये थे।
5.) प्रत्येक घर में शौचालय थे एवं आँगन भी उपस्थित थे।
6.) घर वर्ग विभाजन के अनुसार बने थे।

ये विशेषताएँ उस सभ्यता के भौगोलिय, सामाजिक तथा आर्थिक कारकों के सम्मिलित प्रभाव को दर्शाती हैं। शहर ऊँचे टीले पर बसे हुये थे क्योंकि वे नदियों के किनारे अवस्थित थे तथा बाढ के प्रति संवेदनशील थे। शौचालय, आँगन, ढँकी हुई नालियाँ एवं गली में खुलने वाले घर सामाजिक परिस्थियों को इंगित करते हैं, वहीं ऊँचे टीले व नीचे टीले पर निर्मित भवन क्रमशः कुलीन वर्ग एवं श्रमिक वर्ग के घरों की जानकारी देता है।

3.5/10

प्रश्न के सभी आयामों पर लेखन करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. नई महाशक्तियों के उदय और यूरोपीय उपनिवेशवाद के पतन सहित वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभाव की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
Discuss the impact of World War II on the global political order, including the emergence of new superpowers and the decline of European colonialism. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1939 से 1945 तक चला द्वितीय विश्व युद्ध वैश्विक राजनीति में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला था।

द्वितीय विश्व युद्ध का प्रभाव परिचय दें

1) द्वितीय विश्व युद्ध के समय नई महाशक्तियों जैसे अमेरिका, जापान इत्यादि का उदय हुआ।

2.) जर्मनी, इटली महाशक्तियों का पतन शुरु हो गया।

3.) इसने वैश्विक राजनीति में नये द्विध्रुव (अमेरिका - सोवियत संघ) को जन्म दिया जो 1991 में सोवियत संघ के पतन होने तक बना रहा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4.) इस विश्वयुद्ध ने यूरोपीय शक्तियों के सुप्रीम होने की मानसिकता को तोड़ दिया। दुनिया के संचालन को जो नेतृत्व अब तक यूरोप दे रहा था, वह अमेरिका व सोवियत संघ के हाथ में चला गया।

5.) यूरोपीय शक्तियों के पतन ने यूरोपीय उपनिवेशवाद के पतन के बीज बो दिये जो शीघ्र ही उपनिवेशों की स्वतंत्रता (भारत, अफ्रीकी देश, इत्यादि) के रूप में फलीभूत हुआ।

6.) अमेरिका व सोवियत संघ जैसी महा शक्तियों ने क्रमशः नाटो व वॉरसॉ पैक्ट का गठन किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. वर्ष 1858 के पश्चात् भारत के संवैधानिक इतिहास में कई उल्लेखनीय विकास हुए, जिससे समाज और राजनीति में महत्त्वपूर्ण और स्थायी परिवर्तन हुए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

India's post-1858 constitutional history witnessed a plethora of notable developments that left an indelible imprint on its society and polity. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1857 के स्वतंत्रता संग्राम को आधार बनाकर ब्रिटिश संसद ने भारत का शासन ईस्ट इंडिया कम्पनी से अपने हाथ में ले लिया। इसके साथ ही ब्रिटिश क्राउन के हाथ में भारत की सत्ता आने पर भारत के शासन में कुशलता लाने हेतु भारत सरकार अधिनियम, 1858 से भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 तक अनेक संवैधानिक सुधार हुये। इनका प्रभाव भारतीय समाज व राजनीति पर भी पड़ा। इसके कुछ उदाहरण है –

1.) <u>भारत सरकार अधिनियम, 1858</u> →
इसने सरकार द्वारा आगे क्षेत्र अधिग्रहण पर रोक लगा दी व भारतीय राजाओं को उनके क्षेत्र वापस किये गये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1892 का अधि
विधान परिषद का विस्तार

परोक्ष चुनाव प्रणाली

2.) 1861 के अधिनियम द्वारा भारतीयों को विधायिका में प्रवेश दिया गया।

3.) 1891 का एज ऑफ कन्सेंट एक्ट द्वारा लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 12 वर्ष नियत की गयी।

4.) 1909 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा मुस्लिमों के लिये पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की गयी जिसका अंतिम परिणाम भारत-विभाजन था।

5.) 1919 के एक्ट के द्वारा पृथक निर्वाचन का दायरा बढ़ाकर सिखों को शामिल किया गया। साथ ही महिलाओं को मताधिकार (सीमित) दिया गया।

6.) 1935 में स्थानीय स्वायत्ता दी गयी।

उपर्युक्त उदाहरणों एवं अन्य तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि अंग्रेजों द्वारा किये गये संवैधानिक सुधार सकारात्मक व नकारात्मक दोनों थे।

विषयवस्तु के स्तर पर अच्छा प्रयास है।

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उपयुक्त उदाहरणों के साथ मंदिर स्थापत्य की नागर और द्रविड़ शैलियों के बीच प्रमुख अंतरों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

With the help of suitable examples discuss the main differences between Nagara and Dravida styles of temple architecture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मंदिर स्थापत्य की नागर व द्रविड शैलियाँ अलग-अलग क्षेत्रों में विकसित हुई। नागर शैली जहाँ उत्तर भारत में पनपी वहीं द्रविड शैली का विकास दक्षिण भारत में हुआ। क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक विविधताओं के कारण दोनों की स्थापत्य कला में कुछ मूलभूत अंतर आये जो निम्नलिखित हैं -

1.) नागर शैली में जहाँ गोपुरम की कोई धारणा नहीं है, वहीं द्रविड शैली का अनिवार्य तत्व गोपुरम है।

अलंकृत प्रवेश द्वार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्य विशेषताएँ

2.) नागर शैली में मंदिरों के दरवाजों पर गंगा-यमुना की मूर्तियाँ पायी जाती हैं जबकि द्रविड़ शैली के मंदिरों में यक्ष-यक्षिणी अथवा अन्य भगवानों की मूर्तियाँ स्थापित की गयी हैं।

3.) नागर शैली में सामान्यत: जलाशय अनुपस्थित होता है परन्तु द्रविड़ शैली में जलाशय देखा जा सकता है।

4.) नागर शैली में गर्भगृह व मंडप के बीच खाली जगह होती है जबकि द्रविड़ शैली में ये दोनों भाग ढँकी हुई छत द्वारा जुड़े होते हैं।

5.) खजुराहो का लक्ष्मण मंदिर नागर शैली का उदाहरण है। द्रविड़ शैली का उदाहरण तंजौर का बृहदेश्वर मंदिर है।

4/10

संक्षिप्त निष्कर्ष

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. वाताग्रजनन एवं वाताग्रविनाश की विशेषताओं पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the characteristics features of Frontogenesis and Frontolysis. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब गर्म एवं ठंडी वायुराशियाँ आपस में टकराती हैं तो वाताग्र का निर्माण होता है।

वाताग्र को एकाकी रूप में परिभाषित करें।

वाताग्रजनन दो प्रकार से होता है –

(i) जब गर्म वायु राशि तेजी से आकर ठण्डी वायु राशि के ऊपर चढ़े

उष्ण वाताग्र

(ii) जब ठण्डी वायु राशि गर्म वायुराशी को तीव्रता से ऊपर की ओर धकेल दे।

शीत वाताग्र

वाताग्र जनन की विशेषताएँ →

① इसमें ठंडी व गर्म वायु राशियाँ में संपर्क होता है।

– उत्तरी गोलार्द्ध में वामावर्त दिशा तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणावर्त दिशा।

– उष्ण व शीतोष्ण चक्रवात

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② गर्म वायु राशि ऊपर उठती है और ठण्डी वायु राशि अवतलित होती है।

③ गर्म वायु के ऊपर उठने से वर्षा होती है एवं टेम्परेट चक्रवात का निर्माण होता है।

④ इसकी अवधि अधिक होती है।

वाताग्र विनाश → टेम्परेट चक्रवात में एक समय ऐसा आता है जब दोनों वायुराशियों का संपर्क भूमि से कट जाता है यह वाताग्र विनाश की स्थिति होती है।

→ इसमें चक्रवात को नमी मिलना बंद हो जाती है।

वाताग्र विनाश की विशेषताएं !!
- वायुमंडल की स्थिरता में
- दोनों वायुराशियों के बीच dynamism का अंत हो जाता है

3.5/10

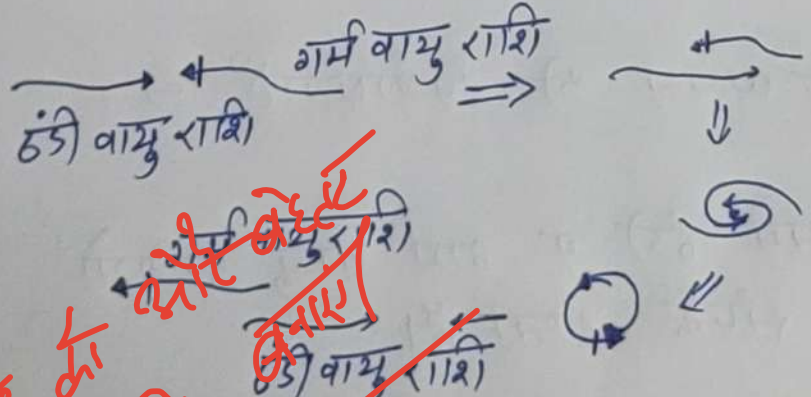

चित्र को और बेहतर बनाएं

भूमिका, निष्कर्ष

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. "भूकंप की तीव्रता और उसके परिमाण का मापन एक जटिल और परिष्कृत प्रक्रिया है जिसके लिये भूकंप विज्ञान और उन्नत प्रौद्योगिकी की गहरी समझ की आवश्यकता होती है।" इस संबंध में भूकंप की तीव्रता को मापने की विधि पर चर्चा कीजिये और भारत के भूकंपीय क्षेत्रों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"The measurement of the intensity and magnitude of earthquakes is a complex and sophisticated process that requires a deep understanding of seismology and advanced technology". In this regard discuss the method of measuring the intensity and magnitude of earthquakes and highlight the seismic zones of India. (150 words) 10

भूकम्प का स्रोत भूगर्भ में मैंटल के ऊपरी भाग एस्थेनोस्फेयर (दुर्बलमंडल) में होता है। उस स्थान से भूकंप का मापन प्रत्यक्षतः करना वर्तमान में संभव नही है। इसके लिये वैज्ञानिकों द्वारा दो भूकंपमापी विकसित किये गये हैं-

1.) रिक्टर स्केल भूकंपमापी
2.) मर्केली स्केल भूकंपमापी

रिक्टर स्केल भूकंप की तीव्रता का मापन करता है। इसमें 1 से 12 तक इकाइयाँ होती हैं। प्रत्येक बढती इकाई भूकंप की बढती तीव्रता को दर्शाती है। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इकाई भयंकर तीव्रता का सूचक है जिसके कारण भयंकर तबाही आती है।

मर्केली स्केल द्वारा विनाश का मापन किया जाता है जिसकी इकाई 1 से 10 तक होती है।

दोनों ही स्केल सिस्मोग्राफिक तरंगों (भूकंप तरंगों) का उपयोग करते हैं।

भारत के भूकंपीय क्षेत्र →

भारत में 4 भूकंपीय क्षेत्र हैं

1.) जोन V → पश्चिमी हिमालय का कुछ भाग व पूर्वी हिमालय, कच्छ का कुछ भाग

2.) जोन IV → हिमालय व तराई क्षेत्र व गुजरात का कुछ भाग

3.) जोन - III → राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा

4.) जोन - II → शेष

■ - जोन V
▦ - जोन IV
▨ - जोन III
□ - जोन II

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. वैश्वीकरण, इसकी व्यापक पहुँच और सर्वव्यापी प्रभाव के साथ, लोक संस्कृति के समृद्ध चित्रपट को समाहित करने तथा नष्ट करने की क्षमता रखता है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Globalization, with its pervasive reach and ubiquitous influence, has the potential to subsume and erode the rich tapestry of folk culture. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विश्व में वस्तुओं, सेवाओं, मानव आवागमन एवं संस्कृतियों का स्वतंत्र प्रवाह वैश्वीकरण कहलाता है।

वर्तमान परिस्थितियों में वैश्वीकरण लगभग सभी संस्कृतियों एवं अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ जमा चुका है। भारत, वैश्वीकरण की व्यापक पहुँच व सर्वव्यापी प्रभाव की जाँच हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

1991 के आर्थिक सुधारों के साथ ही भारतीय बाजार वैश्विक निर्यातकों के लिये खुल गया। कुछ ही समय में भारतीय बाजार वैश्विक वस्तुओं, जो कि भारतीय वस्तुओं की तुलना में सस्ती व

भूमिका को छोटे प्रभावी बनाएं

महत्वपूर्ण बिन्दु लिखें।

सकारात्मक प्रभाव
- वैश्विक संपर्क व संबंधों में वृद्धि
- योग और आयुर्वेद का प्रसार
- भारतीय कलाकारों की वैश्विक मांग बढ़ना
- सांस्कृतिक समन्वय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अच्छी थीं, से नकार दिया।

व्यापक पहुँच का प्रमाण यह है कि सुई से लेकर कार इत्यादि तक सभी वस्तुएँ विदेशी निर्माताओं द्वारा भारतीय बाज़ार में उपलब्ध करायी जा रही है। वहीं गरीब से लेकर अमीर तक उन वस्तुओं का उपभोग कर रहा है, यह वैश्वीकरण की सर्वव्यापी पहुँच का प्रमाण है।

वैश्वीकरण ने संस्कृतियों को भी प्रभावित किया है। खान-पान, वेशभूषा, बोल-चाल इत्यादि संस्कृति के क्षेत्र इसके द्वारा प्रभावित हैं। वैश्वीकरण ने संस्कृतियों के अच्छे तत्वों को वैश्विक पटल पर रखा है परन्तु इसका नुकसान अधिक हुआ है। इसके कारण पाश्चिमी वस्तुओं का अंधानुकरण बहुत बढ़ा है जिसने लोक संस्कृतियों को संकट में डाल दिया है। अतः कह सकते हैं, वैश्वीकरण में लोक संस्कृति को संवर्धित व नष्ट दोनों करने की क्षमता है।

2.5/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सुभाषचंद्र बोस तथा उनके द्वारा गठित आज़ाद हिंद फौज की भूमिका और उसके महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the role and significance of Subhash Chandra Bose and his Indian national army in the freedom struggle of India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुभाष चंद्र बोस ने गांधीवादी चरण के शुरुआती दौर (1920 का दशक) से ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेना प्रारंभ कर दिया था। उनकी विचारधारा थी कि अंग्रेजों को हिंसा द्वारा ही भगाया जा सकता है। 1939 में 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना करने के बाद बोस ने 1942 में 'आजाद हिंद फौज' की कमान सँभाली तथा उसे व्यवस्थित सेना का रूप दिया।

बोस ने भारतीय स्वतंत्रता के लिये द्वितीय विश्व युद्ध के समय अंग्रेजों के विरोधी हिटलर से भी मदद माँगी। बाद में जापान की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सहायता से आजाद हिंद फौज ने उत्तर-पूर्वी सीमा से भारत पर हमला किया एवं कई क्षेत्रों को स्वतंत्र करा लिया। हालाँकि, जापानी सेना के खराब व्यवहार, जापान की विश्व युद्ध में हार इत्यादि कारणों से फौज ज्यादा देर संघर्ष न कर सकी।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बोस एवं आजाद हिंद फौज ने नये मोर्चे से प्रयास किया। उन्होंने अंग्रेजों की सबसे बुरी स्थिति में उनके ऊपर चोट की। सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु एवं जापानी सेना के साथ असंतोष की स्थिति ने फौज के लिये मुश्किलें उत्पन्न की परन्तु फौज के द्वारा किये गये कार्यों को देश भर की जनता द्वारा काफी सराहा गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9 "सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में सोशल मीडिया की भूमिका पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिये।" चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

"The role of social media in communal polarization is one that warrants careful consideration". Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण को परिभाषित करें।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण वर्तमान की ज्वलंत समस्या है। निरंतर सांप्रदायिक टकराव एवं दूसरों समुदायों के खिलाफ टिप्पणियाँ इस समस्या को बढ़ावा दे रहे हैं इसमें अनियंत्रित सोशल मीडिया बड़ी भूमिका में है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका –

1.) समुदाय विशेष की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली तस्वीरे पोस्ट करना,

2.) ऐसी टिप्पणियाँ करना जो सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करती हैं।

3.) किसी समुदाय विशेष के व्यक्ति के प्रति हिंसा की वीडियो डालना एवं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दंगों के लिये उकसाना

4.) हेट स्पीच का तेजी से प्रसार

चूँकि सोशल मीडिया समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच चुकी है, अत: ऐसी खबरें, वीडियो, हेट स्पीच आग की तरह फैलती है एवं स्थानीय घटना को राष्ट्रीय स्तर तक की घटना बनाने की संभावना रखती है।

हालांकि, सोशल मीडिया इस ध्रुवीकरण को कम करने में भी योगदान देती है। सही तथ्यों वाली खबर, सांप्रदायिक सौहार्द वाली वीडियो इत्यादि सद्भावना को बनाये रखने में मदद करती है।

यद्यपि सोशल मीडिया काफी लाभकारी है परन्तु वर्तमान में इसका विरोधी पक्ष मुखर हो रहा है। अत: आवश्यक हो जाता है कि सोशल मीडिया के विनियमन हेतु सरकार व नागरिक दोनों स्तर पर हों प्रायस

सरकारी उपाय — IT Act 2000 की धारा 69 A

अन्य उपाय — सामाजिक जागरूकता
— सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा आंतरिक मजबूत प्रणाली का क्रियान्वयन

3.5/10

प्रयास

प्रश्न के प्रत्येक आयाम का लेखन करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. क्या आपको लगता है कि भारत में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित किया जाना चाहिये? अपने उत्तर के समर्थन में तार्किक कारण दीजिये। (150 शब्द) 10

Do you think that marital rape should be criminalised in India? Give reasons in support of your answer. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित किया जाये या नहीं, यह मुद्दा विवादास्पद है।

वैवाहिक बलात्कार को परिभाषित करें।

अपराध घोषित करने के पक्ष में तर्क →

(1) महिला को विवाह के बाद भी सम्पत्ति नहीं समझा जा सकता है।

(2) वैवाहिक संबंधों में भी दोनों पक्ष की सहमति जरूरी।

(3) महिलाओं को वैवाहिक बलात्कार के खिलाफ कानूनी संरक्षण आवश्यक।

(4) केवल विवाह होना ही शारीरिक संबंधों की सहमति का प्रमाण नहीं होता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपराध घोषित करने के विपक्ष में तर्क →

① वैवाहिक बलात्कार में दोष सिद्धि बहुत कठिन कार्य है।

② दहेज के विरुद्ध कानून, अनुसूचित जाति – जनजाति एक्ट इत्यादि की तरह व्यापक दुरुपयोग की संभावना

यद्यपि वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में उपर्युक्त बाधाएँ हैं, परन्तु विपक्ष में तर्क उपस्थित होने पर इसे अपराध घोषित न करना उचित नहीं है। दहेज निषेध कानून व एस.सी.-एस.टी. (SC/ST) कानून के दुरुपयोग से ज्यादा सदुपयोग हुआ है। अतः कानून बनाते समय आने वाली बाधाओं को दूर करके वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित किया जाना चाहिए।

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ओशन मेमोरी लॉस क्या है? इसके परिणामों की व्याख्या एवं चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15
What is ocean memory loss? Explain and discuss its consequences. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

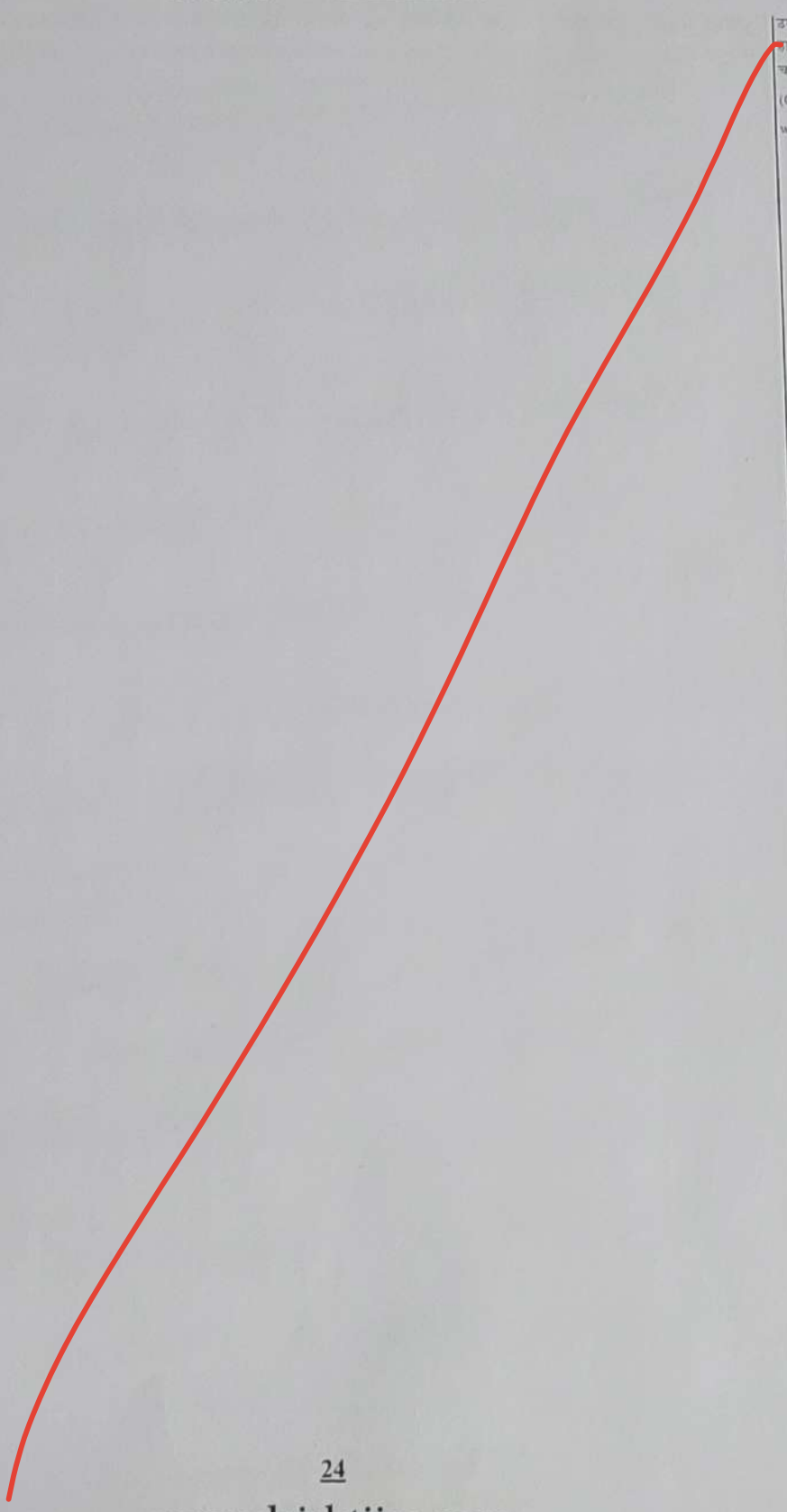

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. 'असहयोग आंदोलन एक महान और उत्कृष्ट प्रयास था, जिसने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में एक क्रांतिकारी परिवर्तन को इंगित किया।' कथन के आधार पर असहयोग आंदोलन के कारण तथा इसकी विफलता और बाधाओं को स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

Elucidate the causes, triumphs, and constraints of the Non-Cooperation Movement - a noble and illustrious endeavor that marked a crucial turning point in the history of India's struggle for independence. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका को प्रभावी बनाएं।

असहयोग आंदोलन 1920 में शुरू किया गया राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन था। महात्मा गांधी ने खिलाफत आंदोलन के साथ स्वतंत्रता हेतु असहयोग आंदोलन शुरू करने का निर्णय किया।

असहयोग आंदोलन प्रारंभ करने के कारण →

① प्रथम विश्व युद्ध के बाद भी भारतीयों को शासन में कोई प्रभावी हिस्सेदारी नहीं मिलना,

अन्य व खिलाफत का मुद्दा।

② प्रथम विश्व युद्ध के खर्चों को भारतीयों के ऊपर थोपा जाना,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ रॉलट एक्ट के विरुद्ध आंदोलन का दमन एवं जलियाँवाला हत्याकांड के विरुद्ध असंतोष विद्यमान होना

④ गांधी द्वारा चलाये गये चम्पारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा आंदोलनों की सफलता के बाद भारतीयों का उत्साह चरम पर था,

⑤ खिलाफत आंदोलन के जनाधार का उपयोग एवं हिंदू-मुस्लिम एकता स्थापित करना।

आंदोलन – सफल या विफल? →

सफल →

① बड़े स्तर पर जनता की भागीदारी
→ किसान, मजदूर, महिलाएँ, मुस्लिम, विद्यार्थी इत्यादि।

ऐसी भागीदारी आगे किसी भी आंदोलन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में नहीं देखी गयी।

② विदेशी वस्तुओं का व्यापक बहिष्कार

③ देशी स्कूल, कॉलेज, अदालतों की स्थापना

विफलता → ① अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका,

② गांधीजी द्वारा अकस्मात् आंदोलन वापस लेने से अनेक वर्ग उनसे कट गये।

③ सरकार द्वारा दमनात्मक नीति अपनाकर आंदोलन को कई जगह कुचल दिया गया।

बाधाएँ → ① खिलाफत के साथ असहयोग आंदोलन चलाये जाने के कारण अनेक संगठन आंदोलन से दूर रहे।

② मजदूर वर्ग का एक बड़ा तबका आंदोलन में शामिल नहीं हुआ।

इन सब बाधाओं व कुछ विफलताओं के बावजूद असहयोग आंदोलन स्वतंत्रता संघर्ष को आगे बढ़ाने में एक क्रांतिकारी रूप से सफल रहा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448486517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

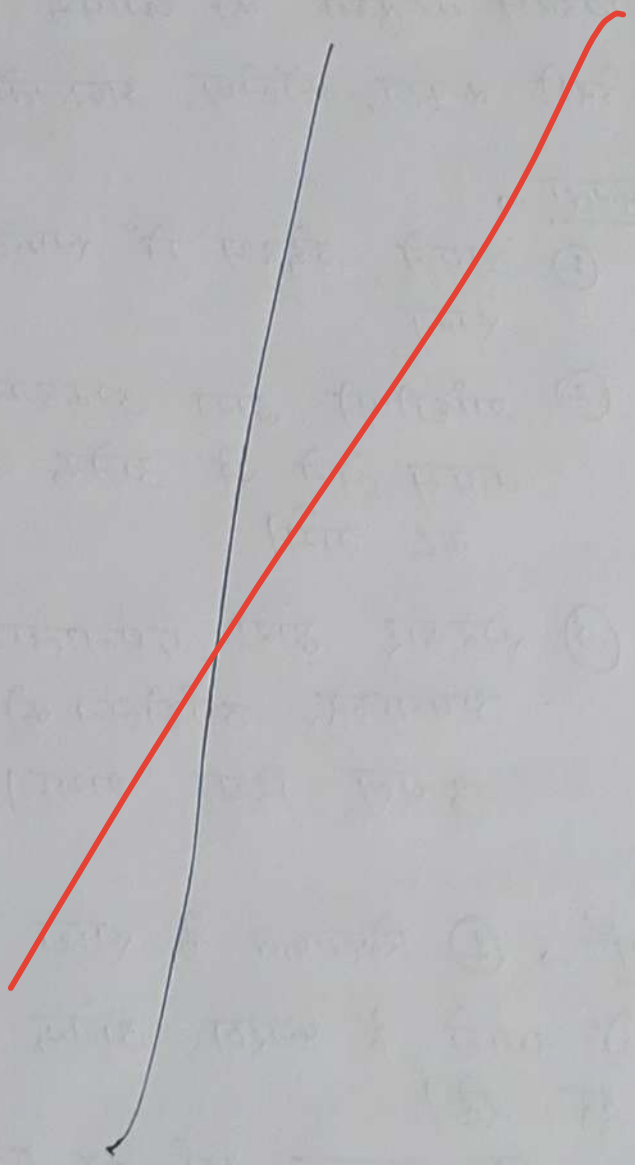

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. 20वीं सदी के पहले दशक में देश में राजनीतिक निर्वात को भरने के लिये क्रांतिकारी समूहों के उदय का वातावरण तैयार था। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

In the first decade of the 20th century the atmosphere was ripe for the emergence of revolutionary groups to fill the political vaccum in the country. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1900 से 1910 के बीच का दौर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में राजनीतिक विचारधाराओं के व्यापक टकराव का दौर था। इस समय नरमदल एवं गरमदल - कांग्रेस के दो धड़ों में मतभेद वैचारिक से बढ़कर हिंसक तक पहुँच गया था। यह लड़ाई कांग्रेस की कार्यपद्धति को लेकर थी। स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत से ही नरमदलीय नेता - नौरोजी, मेहता, गोखले इत्यादि इस आंदोलन को बंगाल तक ही रखने के पक्षधर थे, जबकि गरमदलीय नेता - तिलक, लाला लाजपत राय इत्यादि चाहते थे कि इस आंदोलन का

भूमिका + क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का प्रभावी परिचय दें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का विस्तार राष्ट्रव्यापी हो। मतभेद की शुरुआत 1906 कांग्रेस अधिवेशन से हुई जो 1907 के सूरत अधिवेशन में व्यापक हो गया एवं अंततः कांग्रेस नरमदल में एवं गरमदल में विभाजित हो गयी।

1907 से 1916 का दौर भारतीय राजनीति में शुष्क रहा। उस समय स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित भारत का नौजवान वर्ग नेतृत्व की तलाश में था परन्तु इस तनाव ने उन्हें यह संदेश दिया कि कांग्रेस के दोनों ही पक्ष उनकी इच्छापूर्ति हेतु नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं अतः उन्होंने व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से क्रांतिकारी गतिविधियों में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भाग लेना शुरू किया। ऐसे समय में अरविंदो घोष, बारीन्द्र कुमार घोष, खुदीराम बोस इत्यादि ने अपने क्रांतिकारी समूहों द्वारा उस समय विद्यमान राजनीतिक निर्वात को भरने का प्रयास किया। उस समय के प्रमुख क्रांतिकारी कार्यों में अलीपुर कांड, मुज़फ्फरपुर कांड, दिल्ली कांड इत्यादि प्रमुख हैं।

कहा जा सकता है कि 20 वीं सदी के पहले दशक में नरमदल एवं गरमदल की आपसी लड़ाई ने देश में जो राजनीतिक निर्वात पैदा किया उसने क्रांतिकारी समूहों को उभरने के लिये वातावरण उत्पन्न किया। जिन्होंने समय-समय पर अपना प्रभावी योगदान दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. "ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों ने भारत की आर्थिक संरचना को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।" विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"The British colonial interests significantly influenced the economic structure of India." Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूलतः व्यापार के उद्देश्य से आयी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी ने समय के साथ भारतीय भू-भाग पर कब्जा जमाना शुरू किया। अनेक युद्धों - एंग्लो-डच, एंग्लो-फ्रेंच, एंग्लो-मराठा, एंग्लो-मैसूर, प्लासी का युद्ध, बक्सर का युद्ध इत्यादि के द्वारा 1857 तक अंग्रेजों ने भारत के लगभग दो-तिहाई भाग पर प्रत्यक्षतः एवं शेष भाग पर अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण स्थापित किया। इन अधिग्रहणों का मुख्य उद्देश्य था - भारत को उपनिवेश बनाना

भूमिका को संक्षेप में लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और उपनिवेश का अर्थ होता है अपने हितों के लिये संबंधित क्षेत्र का दोहन। अपने हितों की पूर्ति में ब्रिटिश राज ने भारतीय आर्थिक संरचना पर कुछ महत्वपूर्ण प्रभाव डाले।

नकारात्मक प्रभाव →

1.) भारत के हस्तशिल्प उद्योग पूरी तरह तहस-नहस हो गये.

2.) भारत का उपयोग कच्चा माल उत्पादक के रूप में किया गया।

3.) भारत को ब्रिटिश माल के आयातक के रूप में देखा गया जिससे भारत की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा।

4.) भारतीय कृषि का व्यावसायीकरण किया गया एवं किसानों को केवल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यावसायिक फसलें उगाने हेतु प्रोत्साहित किया। इससे खाद्यान्न की समस्या उत्पन्न हुई और भयंकर अकालों की शृंखला प्रारंभ हुई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5.) ब्रिटिश उद्योगों के संरक्षण के लिये भारत में उद्योगों को प्रोत्साहन नहीं दिया।

सकारात्मक प्रभाव →

1.) ब्रिटिश माल के आवागमन हेतु निर्मित रेल ने भारतीयों की प्रगति में भी योगदान दिया।

2.) कृषि हेतु शुरू की गयी गुणवत्ता आधारित माप ने गुणवत्ता युक्त भूमि मापन में मदद की।

3.) ब्रिटिश उद्योगों से प्रोत्साहित होकर सूती उद्योग, जूट उद्योग आदि प्रारंभ किये गये।

7/15

यद्यपि ब्रिटेन का मुख्य उद्देश्य भारत से संसाधनों व धन का अधिकतम दोहन था, लेकिन इसने अप्रत्यक्ष रूप से स्वतंत्र भारत हेतु उद्योगों की रूपरेखा प्रदान की।

विषयवस्तु को और प्रभावी बनाएं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "उभरती प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग इस्पात उद्योग को अधिक दक्ष बनाएगा।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

"Application of emerging technologies will make the Steel Industry more efficient". Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका

भारत में इस्पात उद्योग की स्थिति का संक्षिप्त परिचय दें

इस्पात उद्योग में अग्रणी भारत को वर्तमान में नये प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करना पड रहा है। वे नयी तकनीक एवं प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके अपनी उत्पादकता एवं दक्षता में निरंतर वृद्धि कर रहे हैं, वहीं भारतीय इस्पात उद्योग मुख्यत: पुरानी प्रौद्योगिकियों पर ही निर्भर है।

इस्पात उद्योग में मुख्यत: कच्चे माल के रूप में लोहा, कोकिंग कोयला, जल एवं ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता होती है।

कच्चे माल को इस्पात में बदलने हेतु जिन प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है, उनमें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निरंतर तकनीकी विकास हो रहा है।

लोहा → लोहे में जितनी अधिक अशुद्धता होती है, स्टील उतना ही निम्न कोटि का बनता है। अतः लोहे को शुद्ध करने में प्रयुक्त फिल्टर, अथवा अन्य विधि द्वारा सल्फर की मात्रा को काफी कम किया जा सकता है।

कोकिंग कोयला → चूंकि यह ऊर्जा उत्पादन हेतु प्रयुक्त होता है, अतः महत्त्वपूर्ण कारक है। भारत लगभग सम्पूर्ण कोकिंग कोल का आयात करता है। अतः सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, प्राकृतिक गैस इत्यादि का उपयोग करके इसके उपयोग को कम किया जा सकता है एवं आगे, पूर्णतः प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

संवाहित प्रौद्योगिकी
- IOT
- रोबोट
- ब्लॉकचेन
- ड्रोन
- 3D प्रिंटिंग
- AI

प्रासंगिक व महत्वपूर्ण बिंदु बताएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके अतिरिक्त कुछ अन्य तकनीकी उपयोग किये जा सकते हैं -

→ परिवहन सुविधाओं में तकनीकी प्रयोग द्वारा लागत को कम किया जा सकता है

→ ऐडिटिव मैकेनिक्स द्वारा कच्चे माल के दुरुपयोग को कम किया जा सकता है

4/15

संक्षिप्त निष्कर्ष

उदाहरण व एकाकी लेखन करें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. 'वित्तीय स्थिति के अतिरिक्त कई अन्य कारक हैं जो किसी राष्ट्र की निर्धनता को निर्धारित करते हैं।' इस संदर्भ में भारत में बहु-आयामी निर्धनता के विषय में चर्चा करते हुए उन कारणों को स्पष्ट कीजिये जिस कारण अनेक उपायों के बावजूद भारत निर्धनता को कम करने में अक्षम रहा है। (250 शब्द) 15

'Apart from financial condition there are various other factors that determine poverty of a nation'. In this context talk about the multi-dimensional poverty in India while discussing the reasons why India has not been able to drive people out of poverty despite several measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

UNDP द्वारा हाल ही में जारी 'बहुआयामी निर्धनता सूचकांक' में भारत की खराब रैंकिंग लगातार चिंता का विषय बनी हुई है।

इस सूचकांक में 3 आयामों को शामिल किया जाता है –

1.) प्रति व्यक्ति आय (जीवन स्तर)
2.) शिक्षा
3.) स्वास्थ्य

प्रथम आयाम में अच्छी स्थिति होने पर भी अन्य दो आयाम बहु-आयामी निर्धनता की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत अपना अधिकांश ध्यान वित्तीय गरीबी पर केन्द्रित रखता है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ने का प्रभाव अधिकांश जनसंख्या पर सकारात्मक नहीं जाता है। इस प्रभाव उच्च वर्ग एवं कुछ हद तक मध्यम वर्ग तक ही पहुँच पाता है।

वर्तमान सरकारें इस ओर ध्यान तो दे रही हैं परन्तु वे प्रयास तात्कालिक रूप से प्रभावकारी नहीं है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा का अधिकार देता है, परन्तु 14 वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिये कोई उपाय नहीं किया गया है।

निर्धनता के प्रमुख कारण
- जनसंख्या विस्फोट
- अकुशल मानव संसाधन
- तीव्र मुद्रास्फीति
- पूंजी का अकुशल आवंटन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऐसे ही, आयुष्मान भारत अभियान इत्यादि द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी गरीब वर्ग तक पर्याप्त नहीं है।

साथ ही, भारत द्वारा खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता तो हासिल कर ली गयी है, परन्तु पोषण में भारतीय बच्चों की स्थिति दयनीय है।

बहु-आयामी गरीबी को दूर करने के लिये बहुआयामी कार्यान्वयन की आवश्यकता है। आर्थिक विकास सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुँचे, उच्च शिक्षा भी बच्चों को आसानी से सुलभ हो सके तथा युवाओं को पर्याप्त कौशल मिल सके, स्वास्थ्य सुविधाओं की हर वर्ग तक पहुँच सस्ती व सुलभ हो सके इन लक्ष्यों को एक साथ लेकर चलने से ही भारत बहुआयामी गरीबी पर जीत हासिल कर सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. 'भारत जैसे विविध सामाजिक संरचना वाले समाज के लिये जहाँ एक ओर सकारात्मक क्षेत्रवाद एक वरदान है, वहीं दूसरी ओर इसका अतिवादी प्रसार 'विविधता में एकता' के ताने-बाने को खतरे में डालता है।' टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

'Where positive regionalism is a boon for a diverse social structure like India, it threatens the time-tested fabric of 'Unity in Diversity' if promoted in an ultra-manner'. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका + क्षेत्रवाद को परिभाषित करें।

भारतीय सामाजिक संरचना में विविधता बहुलता में विद्यमान है। यहाँ एक कहावत प्रचलित है-

"चार कोस पर बदले पानी, आठ कोस पर बानी।"

जहाँ आठ कोस पर ही संस्कृति में काफी परिवर्तन आ जाता है वहाँ क्षेत्रवाद की समस्या उठना उसकी सांस्कृतिक विविधता के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है।

क्षेत्रवाद से तात्पर्य है अपने क्षेत्र की विशेषताओं पर गर्व महसूस करना और उसे आगे बढ़ावा देने हेतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रयास करना। यह क्षेत्रवाद की सकारात्मक परिभाषा है। परन्तु इस परिभाषा में "दूसरे क्षेत्र के लोगों व संस्कृतियों के प्रति दुराग्रह रखना एवं उनके साथ भेदभाव करना" जोड़ दें तो इसका स्वरूप नकारात्मक हो जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय समाज के लिये सकारात्मक क्षेत्रवाद एक वरदान →

- क्षेत्रीय दलों का उदय
- सीमांत क्षेत्रों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलता है

(1) इससे किसी क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक, नैतिक प्रगति होती है जिससे स्वतः सम्पूर्ण भारतीय समाज प्रगति करता है।

(2) विविधता होने के कारण पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

(3) आपसी भाईचारा बढ़ता है जिससे भारत की एकता एवं अखण्डता बढ़ती है।

(4) किसी भी क्षेत्र को अलगाव महसूस नहीं होता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक (अतिवादी) क्षेत्रवाद 'विविधता में एकता' के लिये खतरा →

① दूसरे क्षेत्रों के लोगों के प्रति भेदभावमूलक भावनाएँ उत्पन्न होती हैं।

② इससे क्षेत्रीय अलगाव उत्पन्न होता है।

③ जो विविधता में विभिन्न संस्कृतियाँ संरक्षित रहती हैं, एक भी संस्कृति को हानि होने पर उसका ताना-बाना बुरी तरह प्रभावित होता है।

इस ताने-बाने को बनाये रखने के लिये आवश्यक है कि विभिन्न क्षेत्रीय पहचान रखने वाले नागरिक आपसी मेल-जोल को बढ़ायें। इससे दूसरे क्षेत्र के प्रति दुराग्रह, गलतफहमी खत्म होंगी तथा सद्भाव एवं समभाव का निर्माण होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. "जातिगत जनगणना नव-सामाजिक न्याय को सक्षम बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

"In order to embark on a neo-social justice, the caste census will act as an enabler." Critically Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जातिगत जनगणना के अंतर्गत विभिन्न जातियों एवं वर्गों की जनसंख्या के आँकड़े एकत्रित किये जाते हैं। यह जनगणना की जानी चाहिए या नहीं इस पर अभी मतभेद बना हुआ है।

जातिगत जनगणना के लाभ →

① इससे सामाजिक आर्थिक संगठन का पता लगाया जा सकता है।

② आरक्षण देने हेतु 1931 की जातिगत जनगणना को आधार बनाया गया है। इसे लगभग 100 वर्ष हो गये हैं अतः नयी जनगणना आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ विभिन्न सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान करने में सहजता हो, प्रत्येक जरूरतमंद लाभार्थी तक योजनाओं के लाभ पहुँच सकें, इसके लिये जातिगत जनगणना आवश्यक हो जाती है।

जातिगत जनगणना की हानियाँ →

① इसका दुरुपयोग विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने वोटबैंक की राजनीति में किया जा सकता है।

② अपनी जातिगत जनसंख्या की बहुलता के कारण जाति विशेष दूसरी जातियों पर वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कर सकती है, इससे समाज के स्थायित्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

③ विभिन्न जाति सरकार पर दबाव डालने हेतु जाति विशेष दबाव समूहों का निर्माण कर सकती है।

अतः कह सकते हैं कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है, जिसका उपयोग सावधानी से करने पर समाज में इससे फायदा होगा परन्तु वोटबैंक की राजनीति इत्यादि कार्यों में यदि इसका दुरुपयोग किया गया तो गंभीर प्रभाव देखने मिलेंगे। आरक्षण एवं सामाजिक योजनाओं हेतु नये आँकड़े प्राप्त होने से निश्चित रूप से ही जातिगत जनगणना नव-सामाजिक न्याय को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

6.5/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation